

श्रसा भारण

EXTRAORDINARY

माग I --- खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 165]

नई दिल्ली, शमिवार, सितम्बर 26, 1970/बादिवन 4, 1892

No. 165]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 26, 1970/ASVINA 4, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के कप में रखा जासके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICES

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 26th September 1970

SUBJECT: - Import 1 olicy for Registered Exporters for the year 1970-71 (Amendment No. 39)

No. 150-ITC(PN)/70.—Attention is invited to the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure 1970, published under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 66-ITC(PN)/70, dated 4-3-1970.

2. After declaration (ii) given at the end of page 342 of the said Hand Book, the following may be added:—

"(111) I/We declare that the exports have been made at a price not less than the minimum floor price fixed by the registering authority."

विदेश ज्यापार मंत्रालय सार्वेजनिक सूचनाएं ग्रायात ज्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1970

विवय:--पंजीकृत नियतिकों के लिए वर्ष 1970-71 के लिए भायात-नीति (संशोधन संख्या 39)

सं ० 150-आई ०डी ०सी ० (पी ०एन ०)/70. --विदेश व्यापार मंस्रालय की सार्वजिमक सूचना संख्या 66-आईटीसी (पीएन)/70, दिनांक 4-5-1970 के अन्तर्गत प्रकाशित आयात व्यापार नियंत्रण नीति नियम तथा कार्यविधि पुस्तक (हैं खनुक), 1970 की ओर घ्यान आकृष्ट किया जाता है।

- उकत पुस्तक (हैंडबुक) के पृष्ठ 342 के अन्त में दी गई घोषणा (2) के बाद निम्निसिखित
 को जोड़ा जाए:—-
 - "(iii) मैं/हम घोषणा करता हूं/करते हैं कि जिस मूल्य पर निर्मात किया गया है, वह मूल्य पंजीकरण करने वाले प्राधिकारी द्वारा स्थिर किए गए निम्नतम मूल्य से कम नहीं है।

Subject:— Import Policy for Registered Exporters for the Year 1970—March 1971 (Amendment No-40)

No. 151-ITC(PN)/70.—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters contained in Volume II of the Import Trade Control Policy Book for the year April 1970—March 1971, issued under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 48(ITC)(PN)70 dated the 31st March 1970 as amended from time to time.

2. The following amendments may be made at the appropriate places as indicated below:-

Page No. of the Red Book (Vol. II)	Reference 2	Amendments		
1		3		
210	S.1	The existing description of the export products appearing at S. No		
	Col. 2	S.I may be amended to read as:— "Processed or Polished pearls (Real or Cultured)".		
	S.1	Substitute 65% for existing 70%		
	Col. 3			
	S.1 Col. 5	Following may be inserted as Remark No. (1):		
		"Within the value limit of 5% indicated in Col. 4 replenishment of diamonds uncut and unset will be allowed only through release orders on NMDC Ltd. Direct imports however may be allowed in respect of items other than diamonds uncut and unset."		

I	2	3	
210	S.2 Col. 3	Substitute 65% for existing 70%	
210	S.2 Col. 5	Following may be inserted as Remark No. (1):— "Out of the total replenishment of 65% of the fob export value	
	301.)	registered exporters may be allowed to import direct upto 55%, of the fob value and the remaining 10% will be through release orders on NMDC. In the event of non-availability certificate from NMDC, the exporter may be allowed to import direct to the extent of full value.	
210	S.3	Substitute 65% for existing 70%	
	Col. 3	•	
210	S.3	Following may be inserted as remark No.(1): — 1. "Within the value limit of 5% indicated in Col. 4 replenishment	
	Col. 5]	of diamonds uncut and unset will be allowed only through release orders on NMDC Ltd. In the case of items at (c) in Col. 4, however, direct imports may be allowed.	
211	S.4	Existing remark at (4) may de substituted by the following:— 4. Replenishment within the value limits indicated in Col.	
	Gol. 5	ofrough diamonds unset or uncut, precious/semi-precious stone unset real or cultured pearls unset will be allowed only if the jewellery exported contained diamonds, precious or semi precious stones and pearls respectively. In such cases, face value restriction of 50% will apply in respect of each individual component. Where jewellery contained only any one of thes items namely diamonds or precious stones/semi precious stone or real/cultured pearls then face value restriction will not apply Replenishment o diamonds uncut and unset will be allowes only through the release orders on NMDC Ltd. As for other items, direct imports may be allowed."	
213	SS.1 to SS4	Following remark may be added as No. (8):— 8. Replenishment of diamonds uncut and unset to the extent permitted as per remarks No. 4 will be only through release orders on NMDC Ltd. and not by direct imports. The other permissible items however may be allowed to be imported directly.	
	Col. 5		

N.B.: (1) These amendments will apply to all exports, payment for which is realized on or after 1-10-1970.

R. J. REBELLO, Chief Controller of Imports and Exports.

⁽²⁾ In the event of non-availability certificate from NMDC for the purpose of release of diamonds uncut and unset direct import of the material to the permissible extent may be allowed.

विषय:--- प्रप्रैल, 1970-मार्च, 1971 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए प्रायात-नीति ।

सं ० 151-माई०टी०सी० (पी०एन०)]70.—अप्रैल 1970---मार्च 71 वर्ष के लिए आयात-व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक का वालुभ दो जो विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 48-आई०टी०सी०-पी०एन०/70 के श्रन्सर्गत जारी किया गया था, उसमें पंजीकृत निर्यातकों के लिए निहित आयात नीति, जो समय समय पर संशोधत की गई है, उसकी ग्रोर ध्यान श्राकृष्ट किया जाता है ।

निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थलीं में किए जाएं :—

रैंड बुक (वालुम की पृष्ठ संख्या	ा 2) संदर्भ	संगोधन			
1	2	3			
210	एस ० 1 फालम 2	क्रम संख्या 1 पर की निर्यात उत्पादों के नर्तमान विवरण को संशोधित कर इस प्रकार पढ़ा जाएः—			
		^८ वर्तमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित को प्रि स्थापित करें:–			
एस ० 1 —————— फालम 3		''संशोधित या चमकीले मोती (वास्तविक या संवद्धितः (कल्चर्ड)''			
		'वर्तमान 70 प्रतिशत के स्थान पर 65 प्रतिशत रखें।			
	एस ० 1 कालम 5	निम्नलिखित टिप्पणी को संख्या (1) के रूप में शामिल किया जाए:——			
		"कालम 4 में संकेतित 5 प्रतिशत के सीमा मूल्य के भीतर बिना तराशे और ग्रजड़ाऊ हीरों की पुन: पूर्ति की स्वीकृति केवल एन एम डी सी लि ० के बंटन आदेश पर उसके माध्यम से ही दी जाएगी। लेकिन, बिना तराशे और अजड़ाऊ हीरों के प्रतिरिक्त ग्रन्य मदों के मामले में सीधे आयात की स्वीकृति दी जा सकती है।"			

3

1

2

वर्तमान 70 प्रतिशत के स्थान पर 65 प्रतिशत रखें। 210 एस • 2 कालम 3 निम्नलिखित को टिप्पणी संख्या (1) के रूप में शम 210 एस • 2 किया जा सकता है:---कालम 5 "जहाज पर्यन्त नि:शुरुक श्रायात मुख्य के 65 प्रतिशास की कुल पूनः पूर्ति मैं पंजीकृत नियतिकों को जहाज पर्यन्त नि:शुल्क श्रायात मृल्य के 55 प्रतिशत तक को सीधे भागात करने की स्वीकृति दी जाएगी और शेष 10 प्रतिशत एन एम डी सी के बंटन ब्रादेश पर असके भाध्यम से होगा। एम एम डी सी से भनुपलब्धता प्रमाण पक्ष प्राप्त करने की स्थिति में, निर्यातक को पूरे मुख्य तक के लिए सीधे श्रायात करने के लिए स्वीकृति दी जा सकती है ।" वर्तमान 70 प्रतिशत के स्थान पर 65 प्रतिशत रखें 210 एस **०** 3 कालम 3

कार

निम्नलिखित को टिप्पणी (1) के रूप में शामिल किया

210 एस • 3

जाए:---

कालम 5

के भीतर बिना सराशे और अजड़ाऊ ही रों की पुन:पूर्ति की स्वीकृति केवल एन एम डी सी लि ० के बंटन आदेश के माध्यम से ही दी जाएगी। लेकिन, कालम 4 में (सी) पर की मदों के मामले में, सीधे आयाह की स्वीकृती दी जा सकती है।"

1. "कालम 4 में संकेतित 5 प्रतिशत के सीमा-मृल्य

2

1

3

211 एस ० 4 (4) पर की वर्तमान टिप्पणी को निम्नलिखित द्वारा बदला जाये:---

कालम 5

''श्रारिष्कृत हीरों श्रजड़ाऊ या बिना बहमस्य/माध्यम-बहमस्य पत्थर ध्रजडाऊ वास्तविक या संविद्धित (कल्चर्ड) मोती भजड़ाऊ के कालम 4 में संकेतित मुख्य सीमा के भीतर पुनः पूर्ति की स्वीकृति वी जाएगी, किन्तु केवल तब, जब निर्यात किए गए जवाहरातों में क्रमशः हीरों, बहुमूल्य या मध्यम बहुमूल्य पत्थरों श्रीर मोतियों को श्रन्तर्विष्ट किया गया था। ऐसे मामलों में प्रत्येक ग्रलग ग्रलग संघटक सम्बन्ध में, 50 प्रतिगत की श्रंकित मुख्य प्रति-बंधता लागु होगी । किन्तु जब जवाहरात इन मदों में से जैसे हीरों या बहुमूल्य पत्थरों/मध्यम बहुमूल्य पत्थरों या वास्तविक/संविद्धित मोतियों में केवल किसी एक को भ्रन्सविष्ट करते हैं तो श्रंकित मुल्य प्रतिबन्धता लागु नहीं होगी। बिना तराशे श्रीर अजड़ाऊ होरों की पून:पूर्ति की स्वीकृति केवल एन एम डी सी के बटन प्रादेश के भाष्यम से ही दी जाएगी। जहां तक ग्रन्य भदों का सम्बन्ध है, सीधे श्रायात की स्वीकृति वी जासकती है।"

एस एस 1 से एस एस 4 213

जाए:---

सक

कालमं 5

8. संख्या 4 की टिप्पणियों के प्रनुसार स्वीकृत सीमा तक विनातराशे श्रीर ग्रजड़ाऊ हीरों की पुनःपूर्ति केवल एन एम डी सी लि ० के बंटन भादेश के माध्यम से होगी श्रौर न कि सीधे श्रायातों द्वारा लेकिन अन्य स्वीकार्यं मदों के लिए सीधे भ्रायात करने की स्वीकृति दी जासकती है।

निम्नलिखित टिप्पणी को संख्या (8) के रूप में जोड़ा

1

2

3

विशेष ध्यान दीजिए:

- (1) ये संशोधन उन सभी निर्यातों, भुगतान के लिए लागू होंगे जो 1-10-1970 की या उसके बाद पूरा किया गया है।
- (2) विना तराशे और अजड़ाऊ हीरों के बंटन कार्यें के लिए एन एम डी सी से अनुपलक्क प्रमाण-पन्न प्राप्त करने की स्थिति में, भाल के सीधी ग्रायात के लिए स्वीकार्य सीमा तक के लिए स्वीकृति दी जा सकती है।

ग्रार० जे० रबैलो, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात ।